[illegible] 1919 [illegible]

मजाने के ठग महतो वल्द उगर महतो बलदान जोधा महतो मोतफका साकिन मौजे दीघा बुर्जुग परगना फुलवारी जिला पटना एलाकाधाना दीघा अजराम जुर्म अमीयत पेशादाराने कारतकारी के हूँ बाबु रामधारी सिंह व मोकिरान ने मवाजी 5 बिगहा 6 कट्ठा बिगहा 2 बाजी मजरुआ हीकयत मिलकियत बुदखास्त अपने मौजे दीघा बुर्जुग परगना फुलवारी जिला पटना मोकरी दायमी इमतमरारी हस्ब बहाल मोकरी दायमी मरकुमा तारीख 8 फरवरी सन 1919 ई० मोबदके रजिस्टरी बाबु टेक नराएण सिंह व बाबु दुखहरन सिंह के लिया है चुनाचे मवाजी 4 बिगहा अराजी मैय मोकरी पर बाबु रामधारी सिंह मजकुर काबिज व दखिल चले आते है व सबिब है व मवाजी 4 बिगहा अराजी मैय मोकरी पर मोकिरान काबिज व दखिल चले आते है व है इलहाल मोकिरान को हाजत व जरुरत रुपया के वगरज अदाय जर दैन मो० 500 रुपया अज बर कर्जा तमस्सुक हस्बा वसीका तमस्सुक मकबुला मरकुमा तारीख 28 नवम्बर सन 1919 मोबदके रजिस्टरी दायतनी बाबु रामधारी सिंह व नीज अखराजात जरुरी अपने अपने व जुमला अहालीयान खानदान अपने अपने लाहक हाल है इसवास्ते मम्बरा मुकिरान कानुनी व वहीखाहान के ने राय हुइ के मवाजी 2 बिगहा 1 कठा 10 धुर मिनजुमला मवाजी 4 बिगहा अराजी मजरुआ हीकयत मोकरी दायमी इमतमरारी वाकरजनदान के जिसमे दरखतान अमबा कैलमा निम्न है वाके मौजे दीघा बुर्जुग परगना फुलवारी जिला पटना नारियर मवाजी 2 बिगहा 1 कठा 10 धुर मिनजुमला मवाजी 4 बिगहा अराजी मजरुआ हीकयत मोकरी इमतमरारी वाकरजनदान के जिसमे दरखतान अमबा कैली निमफ है वाके मौजे दीघा बुर्जुग परगनाफुलवारी जिला पटना बलबुद व हदुद अरबा मोकसला जैल के हदुद अरबा अराजी व बुरी मराहत मिसल वसीजा हाजा मुन्दर्ज है अजां हकियत मोकरी दायमी इमतमरारी वाकरजनदान मय दरखतान अमबा मनमुवा निहा मोकिरान है के जो मुकस कबज व दखल खास हमलोगो के चला आताहै उसको

मय जुमला हक व हकूक व मराफिक मोतलके आ ववदल कीमतब दल मो० 1250 रुपया जब्र साही के जिसका निस्फ मो० 625 रुपया होताहै बदस्त दोस्त सावल्द नियत साकु मोहल्ला साकिने मौजे दिवा बुजर्ग परगनाकुलदारी जिला पटना जात रौप्यनगर बेगरा काश्तकारी व दुकानदारी के बरजा व रगवत अपने अपने व वेला जब्र व फे रेब व तरगीब व तहरीस किसी दुसरो के मेहायत मेरु नियत से वेला रजामन्दी व खेयार बेजा बैयलाकलामी किया व देना व जरस्मन मजकुर वह तसरीह वसुल पाया के मो० 500 रुपया अर्थ तमसुक हरफ सीजा तमसुक मरकुमा तारीख 2रा नवम्बर सन 1920 ई० माफसनी बाबु रामधारी सिंह बनीसबे खरीदार मजकुर के अमानत छोडा के खरीदार मजकुर बाबु रामधारी सिंह को अदाय करके वसीका तमसुक मजकुर वापस लेकर बनजर सहुत वसुली रुपया अपने पास रखे के बाद वसुली जर कर्जा असल व सुद के निसवत तमसुक मजकुर मो० 500 रुपया जर कर्जा असल व सुद किस्मा मोकिरान के बाकी रह गया था इस इसवजह कर मो० 500 रुपया बावत तमसुक मजकुर बजिमा खरीदार मजकुर के अमानत छोडा व मो० 205 रुपया कवल तहरीर वसीकाहाजा मुसतरी मजकुर से लेकर अखराजात जरूरी से अपने अपने वजबज व तसरुफ अपने अपने दर लाये के इस स्कर मो० 705 रुपया जरस्मन खरीदार मजकुर को जरस्मन हाजा मोजरा बजे कर दिया व बाकया मो० 345 रुपया जरस्मन नकद व रकमुतल व रु दस्त वक्कत तकावजुल बदलैन मुसतरी मजकुरसे लेकर अखराजात जरूरी जो नाचारी से अपने अपने वजबज व तसरुफ अपने अपने दर लाने व खरीदार मजकुर को वास्ते मोकामी अपने अपने ऊपर लेय मोवईया के कायिम व दाखल व मालिक मुसतकिल गरदानाजाने के मुसतरी मजकुर लेय मोवईयाहाजा पर कायिज व दाखल होकर व रहकर वकदर लेय मोवईया नाम दर्ज करा लेवे अब मोकिरान व वारसान व कायम मोकामान मोकिरान को कोइ हक दावी व मोतलवा व मवाखजा व मोवासमा बनीसबत लेय मोवईयाहाजा व जरस्मन मजकुर साथ खरीदार व वारसान व कायम मोकामान उनके नही है व न रहा व न होगा व जो कुछ हक व इसतहकाक मोकिरान को बनीसबत लेय मोवईया के हासील था हाला वह

हुल हक व हकुक आज की तारीख से मोकिरान से मुनतकिल व सांकत होकर वजीनसही व बेला तसरका खरीदार को हासील हुआ व सैय मोवईयाहाजा हर तरह के वारकेफालत व नुकस हीकियत से पाक व साफ है किसी जगह मकफुल व महबुस नही है व न किसी किसीम का नुकस हीकियत है अगर जहुर हुआ वारकेफालत व नुकस हकियत मोकिरान खेरीदार मजकूर को अखितयार हासिल है व होगा के कुल जरसमन अपना मय सुद उसका वहिसाव किस्त मो० 2 रूपया माहवारी अजरोज बेदखली ता रोज वसुल जायदाद मनकुला वगैर मनकुला नाकी व बेनामी व जात व माल से मोकिरान के वसुल कर लेवेगे इसमे मोकिरान को कोइ उजुर नही है व न होगा व मोजरद उपर अतमाद दिलाने व बावर कराने मोकिरान के मुसतरी मजकुर ने सैय मोवईया हाजा को खरीद किया इस वासते येह वसीका केवाला बैयलाकलामी का लिख दिया के वकत पर काम आवे फकत

हदुद अरवा मवाजी 2 विगहा 1 कठा 10 धुर मिनजुमला मवाजी 4 विगहा अराजी मजरुआ हीकियत रैयत मोकररी इसतमरारी दायमी वाफरजनदान वाके मौजा दीघा बुजुर्ग परगना फुलवारी जिला पटना एलाकाथाना दीघा सदर रजिस्टरी पटना नं० 5336 तौजी सांवक व नं० 13990 तौजी हाल नं० 1 थाना खाता नं० 1604

| ता नं० | खसरा नं० | अराजी | उत्तर | दक्षिण | पुरब | पश्चिम |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1604 | 2252 | 5 डी० | अलीखान वगैरह | कुरवान मिया | बाबु रामधारीसिंह | सडक |
| 543 | 2253 | 40 डी० | | | | |
| 545 | 2254 | 40 डी० | :- अली खान वगैरह | कुरवान मिया | बाबुरामधारी सिंह | सडक |
| 1546 | 2255 | 45 डी० | | | | |

---

1 एकड 30 डीसीमल

नाम मालिक राम धन साव वल्द केवरचंदलाल साव साकिमौजे खिलचीपुर दीघा डाकखाना दीघा घाट जिला पटना

जर मालगुजारी 8 रुपया 12 आना तादादअराजी 2 बिसहा । कठा
10 धुर

तहरीर तारीख 22 माह फरवरी सन 1930 ई0

सही ठग महतो बैद लिखा सो सही है कातीब से पढाकर सुन लिया जो समझ लिया
वाकलमखास

सही उगर महतो बैद लिखा सो सही कातीब से पढाके सुन लिया जो समझलिया
वाकलम दुलारचन्द महतो सही दुलारचन्द महतो उग्र महतो निसानी मेरे सामने
बनाया वाकलमखास

गवाह दुलारचन्द महतो साकिन दीघा बुर्जुर्ग परगना फुलवारी मुखाते मोकिरान वाक मख
गवाह रामधारी सिंह साकिन बाजीतपुर दीघा वाकलमखास
गवाह बंदेरा साव साकिन दीघा बुर्जुर्ग परगना फुलवारी जिला पटना वाकलमखास
गवाह राजदेव सिंह साकिन बाजीतपुर दीघा मुखाते मोकिर वाकलमखास
गवाह मकलु गोप साकिन दीघा परगना फुलवारी जिला पटना वाकलमखास
पुस्तक सं· । जिल्द सं· 16 पेज सं· 240 से 245 बसीका नं· 1027 साल 1930

Sch. XIV.—F.No. 180 V.

रसीद मालगुजारी

नाम सर्कल। नाम मौजा मय थाना वो थाना नम्बर

वि0स0मु0, पटना।
फरद मालकी / फरद रैयती।
नाम रैयत मय वल्दियत जमाबन्दी।
वो सकुनत। नम्बर।

**V**

X
97 10515

00023728

अराजी नम्बरी | अराजी भावली | तफसील हिसाब लगान भावली।

(मौजा) (परगना) (जिला) (सन् तफसील (बकाया वो हाल) मौजूदा/साल वा)

| मौजे बाबत | | सालाना | बकाया तीन वर्ष से ज्यादा। | 3रा वर्ष। | 2रा वर्ष। | 1ला वर्ष। | हाल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| माल– गुजारी | (नकदी) | 10·00 | | | | | 10·00 |
| | (भावली) | 2·12 | | | | | 2·12 |
| सेस | ... | 5·00 | | | | | 5·00 |
| *सुद | ... | 5·00 | | | | | 5·00 |
| मुतफरकात | ... | 2·00 | | | | | 2·00 |
| मीजान | | 24·50 | | | | | 24·50 |

तफसील अदायकारी।

| अदायकारी बाबत | | बकाया तीन वर्ष से ज्यादा। | 3रा वर्ष। | 2रा वर्ष। | 1ला वर्ष। | मोतालबा हाल | फाजिल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| माल– गुजारी | (नकदी) | | | | | 10·00 | |
| | (भावली) | | | | | 2·12 | |
| सेस | ... | | | | | 5·00 | |
| *सुद | ... | | | | | 5·00 | |
| मुतफरकात | ... | | | | | 2·00 | |
| मीजान अदायकारी | | | | | | 24·50 | 24·50 |

(1) मीजान कुल (लफ्जों में) —
(2) नाम देहिन्दा —
(3) कुल बकाया —

दस्खत यो तारीख अमला तहसील कुनिन्दा

*खास महाल का बकाया मालगुजारी पर (सेवाय ऐसे बकायों पर जिन पर कि सर्टिफिकेट जारी हो) सूद नहीं लिया जाता है।

बि.स.मु.(राजस्व) 1–2011

2252
2253
2254
2255

गोपनीय प्रतिवेदन

# अंचल पदाधिकारी का कार्यालय

## (भू-स्वामित्व प्रमाण-पत्र)

नाम श्यामा नारायण साह ग्राम दीघा, हाट

थाना दीघा जिला पटना

| ग्राम का नाम एवं थाना संख्या | तौजी संख्या | खाता संख्या | खसरा संख्या | रकवा | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | एकड़ | डि० |
| मौजा दीघा थाना नं 01 | | 1604<br>1593 | 2252<br>2253<br>2254<br>2255 | 0.111 | 2.515 |
| | | | | सतरह कट्ठा | सत्रह धुर |

अभिलेख पुरतगान फसील की जमाबंदी श्यामनारायण साह पिता स्वर्गीय राम [illegible] साह साकिन दीघा हाट थाना दीघा जिला पटना के तहत दर्ज है। जमाबंदी रू 10.515 है। लगान वसीलबाकी वर्ष 2014-15 तक वसूल है।

[illegible]

1545
2/11/2015

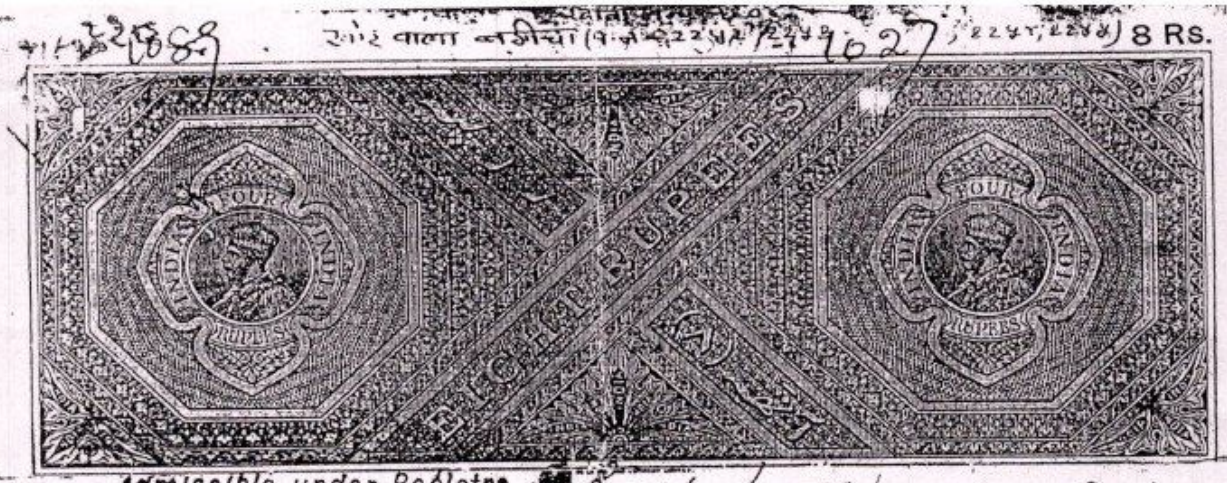
श्याम नारायण साह
आवेदक का हस्ताक्षर

कार्यालय अंचल अधिकारी पटना

कर्मचारी का प्रतिवेदन

कार्यालय का मुहर

अंचल पदाधिकारी का हस्ताक्षर




Admissible under Registration Rule 34, also under Section 78 of the Tenancy Act. Correctly stamped under the Indian Stamp Act., 1899 Schedule I No. 23 Fee Paid

MUNSIF'S COURT
21 MAY 1942
FILED
PATNA

Gaurhar Singh

Application for Registration
of 10.30 M. on the 25th
day of Feb 1930 at
Jamkipur Sub-Registry Office
by Shaq Mahlm
Son of Joshan Mahlm
of Dighan Burjurg
Thana Dighan Patna
District
by caste Muslmi
profession Cultr (Exe)

Received 10.30 Am

24-3-

Ro. 257/2/30

Executant is admitted by the said Shaq
Mahlm to be known to Registering
2343 Officer personally

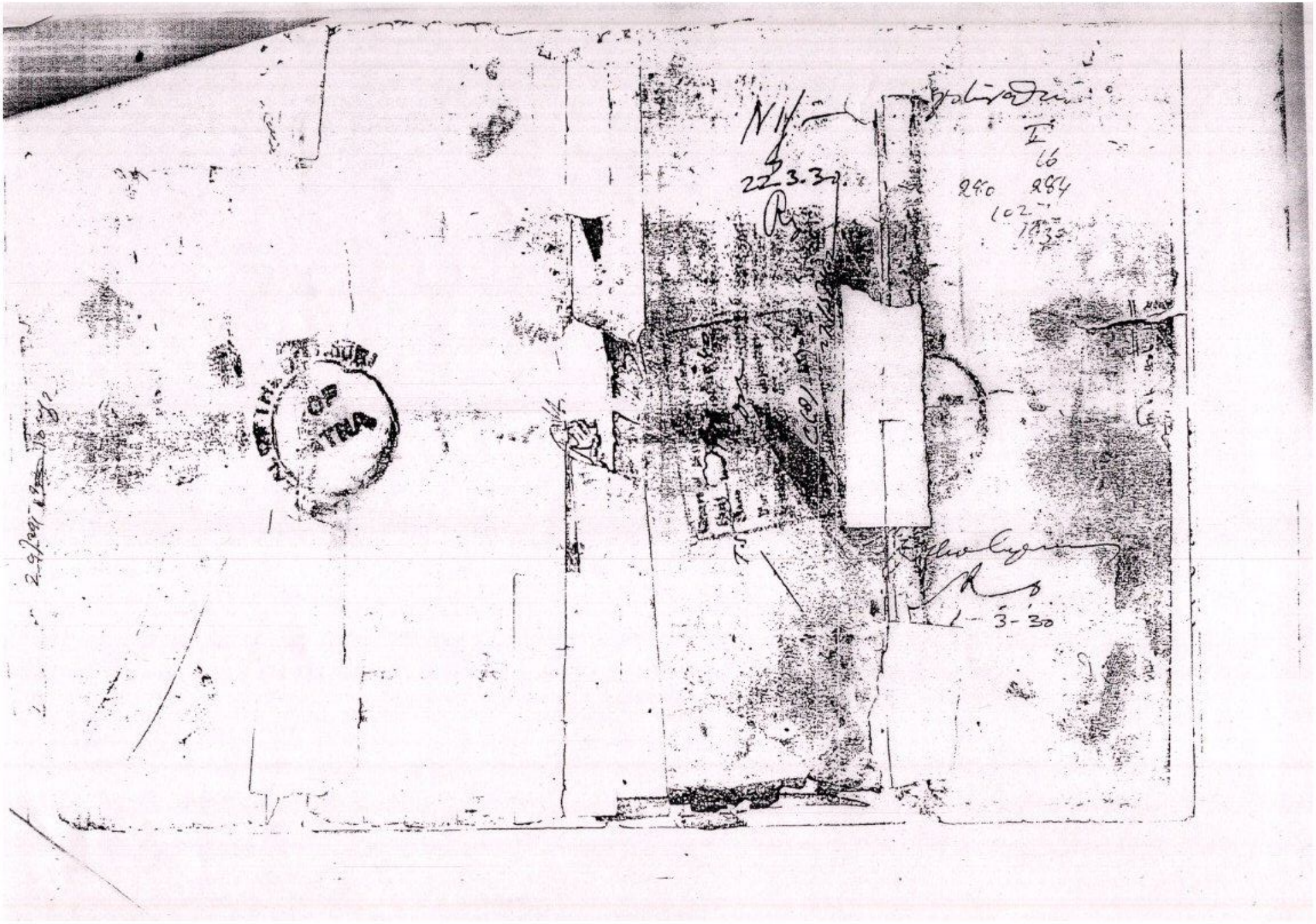
24-3-

24-2-30

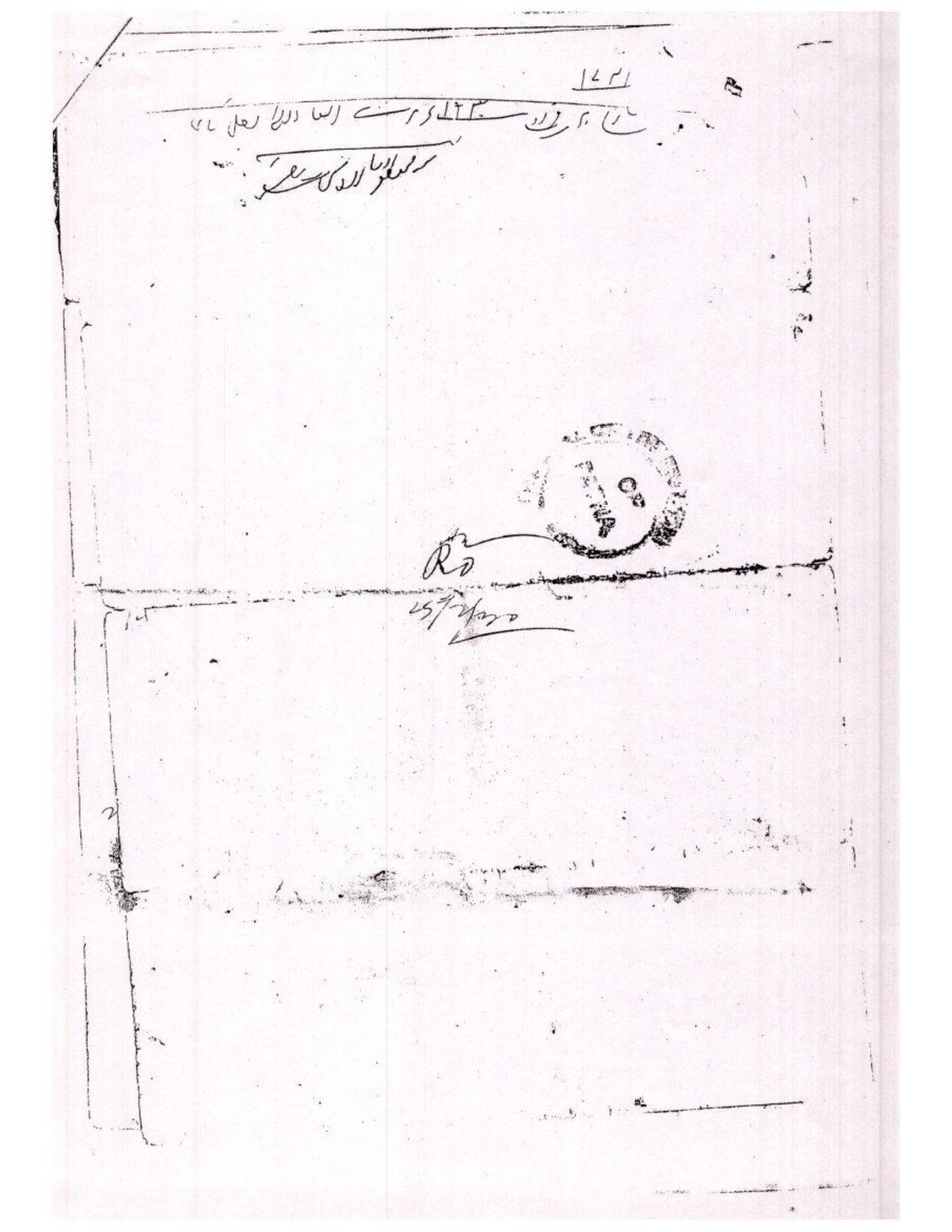
Witness-identifying Executant Shaq Mahlm
is known to me personally
24-2-30

2345

INDEX FILED
21 MAY 1940
FIRST COURT



7 Rs.



Patony 2011 | Token 15936 | deed 13680 | vol 238 | page 83/96 | CD 37




बिहार BIHAR

34198 12-2 2012

40 05AA 808464

नाम एवं पता

अजीत कुमार
ला० सं० 30/87

2100
6.11.12

S1424
6.11.12

पटना
6/11/12




बिहार BIHAR 3/11/17 12/2012 40 05AA 808465

नाम एवं पता

अजीत
लो० सं० 30/87

अधिवक्ता निजामत

3/11/12

Serial No. - 15932 Book No.- 1 / Deed No. - 13680




बिहार BIHAR 131582

क्रम संख्या 461 दिनांक 13-4-11 मूल्य 5000 पीट संख्या 1 500

क्रेता का नाम एवं पता

## Summary of Endorsement

This document was presented for registration on this Thursday, the 28th of April 2011 by Sanjay Kumar.

A stamp duty of Rs. 63160/- and other fees of Rs. 42694/- has been paid in it.

The document was found admissible. The names photographs and fingerprints and signatures of the executants, and their identifier, who have admitted execution before me, are affixed on the reverse page.

The document has been registered as deed no. 13680 in Book No. 1 , Volume No. 238 on pages from 83 to 96 and has been preserved in total 14 pages in C.D. No. 37 / Year 2011 .

Signature with date
( Ajay Krishna Mishra )
Registering Officer, Patna

Date : 28/04/2011 Token No. : 15936 / 2011

THIS INDENTURE made 21 day of April, Two Thousand and Eleven, BETWEEN (1) Sri Sanjay Kumar, aged

aged about 42 years by religion – Hindu, occupation- Advocate, (2) **Sri. Satish Kumar** aged about 36 years by religion – Hindu, occupation- Business- both sons of Late Jaswant Narayan Sah residing at Village- Digha Ghat, P.S. – Digha, dist. Patna, Bihar herereinafter called as **"the LESSORS"** (which expression shall unless excluded by or repugnant to the context mean and include their respective heirs, executors, administrators, representatives and assigns) of the **ONE PART**

**AND**

**BHARAT PETROLEUM CORPORATION LIMITED**, a Company incorporated under the Companies Act 1913 and having its Registered Office at Bharat Bhavan, 4 & 6 Currimbhoy Road, Ballard Estate in the Town of Mumbai and Area Office at "Bharat Bhavan", Plot No. 31, KIT Scheme No. 118, Prince Ghulam Mohammad Shah Road, Kolkata 700 095 and its Territory Office at Patna TOP; Pakri Village, Via Anisabad, Patna-800002 represented by Shri. PRASHANT MOHAN JHA, son of Sri. Priti Nath Jha, Territory Manager (Retail) Patna also one of the Principal Officers and duly constituted Attorney of the said Company, hereinafter called as "**the LESSEE**" (which expression shall unless excluded by or repugnant to the context be deemed to include the Company and its successors-in-interest and assigns) of the OTHER PART.

Sanjay Kumar 21.04.2011
Satish Kumar 21.04.2011

WHEREAS Sri. Sanjay Kumar S/o Late Jaswant Narayan Sah is seized possessed and sufficiently entitled the land admeasuring 6 Katha 18 Dhur bearing Khesra No.2252 and 2253 under Khata No.1604 and 1593, situated in Mouza- Digha, Thana No.01, P.S.- Digha, District –Patna by virtue of mutation of the land in his favour executed by the Circle Officer, Sadar, Patna vide Mutation case No.265/1 of 2010-11 owing to family partition dated 18.4.2010 made amongst the three sons of Late Jaswant Narayan Sah.

AND WHEREAS Sri. Satish Kumar Kumar S/o Late Jaswant Narayan Sah is seized possessed and sufficiently entitled the land admeasuring 6 Katha 18 Dhur bearing Khesra No.2253 and 2254 under Khata No.1604 and 1593, situated in Mouza- Digha, Thana No.01, P.S.- Digha, District – Patna by virtue of mutation of the land in his favour executed by the Circle Officer, Sadar, Patna vide Mutation case No.266/1 of 2010-11 owing to family partition dated

Prashant Mohan Jha
21.4.2011

18.04.2010 made amongst the three sons of Late Jaswant Narayan Sah.

**AND WHEREAS** the Lessors herein are sufficiently entitled to the Scheduled land and have absolute right and full power and indefeasible title, free from all encumbrances to grant lease, sale or convey the said property more fully described in the Schedule hereunder and or any part thereof and also to deal with the same in any manner whatsoever.

**AND WHEREAS** the said land does not belong to SC or ST or Tribal persons nor does it belong to any religious or other institution and is also free from any legal restrictions and that no suit whatsoever in respect of the said land is pending in any court.

**AND WHEREAS** the Lessors herein Vide their letter dated 13.01.2011 have offered a piece of parcel of land admeasuring 1143 Sq. Mtr. (30 Mtr. x 38.1 Mtr.) bearing Khesra No.2252 & 2253, under Khata No. 1604 & 1593, Situated in Mauza - Digha, Thana No.01, P.S. Digha, District- Patna, on long term lease to this Corporation the Lessee herein for putting up Retail Outlet and other lawful trade or business.

**AND WHEREAS** after protracted discussion between the parties, the Lessee herein agreed to demise the said piece of parcel of land admeasuring 1143 Sq. Mtr. (30 Mtr. x 38.1 Mtr.) bearing Khesra No.2252 & 2253, under Khata No. 1604 & 1593, Situated in Mauza - Digha, Thana No.01, P.S. Digha, District- Patna and more particulars described in the **Schedule** herein, on long term lease basis to the Lessee herein on the terms and conditions mentioned hereunder.

**NOW THIS INDENTURE WITHNESSETH** that in consideration of the rent hereby reserved and of the covenants and conditions herein contained and on the part of the Lessee to be paid, observed and performed the Lessors do hereby demise unto the Lessee ALL THAT Piece or parcel of land appertaining to Khesra No.2252 & 2253 under Khata No. 1604 & 1593 Situated in Mauza - Digha, Thana No.01, P.S. Digha, District- Patna containing by ad measurement an area of 1143 Sq. Mtr. (30 Mtr. x

Sanjay Kumar 21.04.2011
Satish Kumar 21.04.2011
Manket Mkt. Rs 21.4.11

38.1 Mtr.), or thereabout, as shown hereunder and more fully described in the Schedule hereunder and shown on the plan annexed hereto within red border (hereinafter called 'the said Land') together with all rights, easements and appurtenances whatsoever belonging or appertaining to the said land.

| Land Owner | Khesra / Plot No. | Khata No. | Area of land Leased |
|---|---|---|---|
| 1. Sanjay Kumar | 2252 & 2253 (Part) | 1593 & 1604 | 23 M x 38.1 M. |
| 2. Satish Kumar | 2252 & 2253 (Part) | 1593 & 1604 | 07 M x 38.1 M. |
| | | | Total - 30 M x 38.1 M |

Sanjay Kumar 21.04.2011
Satish Kumar 21.04.2011

**AND TOGETHER ALSO** with full and free liberty to the Lessee to use the demised premises as a Storage Depot or a Service Station for the purpose of selling or otherwise dealing in or of receiving storing treating or handling for distribution of petroleum or any of its products and kindred motor accessories or any other trade or business and other lawful purpose including to use the land for Bazar, Dhaba, 'C' store, Merchandised stores, "In and Out" Store", Auto LPG, CNG, Book Store, Internet Kiosk, ATM Kiosk. Tyre Repairing Shop. Advertising, Hoarding, Laundry Shop. Barber Shop or for its allied business etc.

**AND TOGETHER ALSO** with full and free liberty to the Lessee to remove without being liable to pay any compensation or damages to the Lessor and also without being liable to restore the same on the determination of the Lease for whatever reason the existing structures of the Lessor. if necessary, and maintain upon the demised premises a Storage Depot and/or Service Station or any other structures necessary for any lawful purpose.

**AND TOGETHER ALSO** with full and free liberty to the Lessee to erect and maintain in the demised premises all manner of equipment, plant, buildings, machinery, tanks, godowns, pumps, filling sheds and other structures, fixtures, appliances and facilities.

**AND TOGETHER ALSO** with the right to construct, lay and maintain over, along and under the demised premises one or more pipe or pipes or pipelines of such length and diameter as may be required by the Lessee from time to time to be put up on the premises hereby demised.

Prakash Mohan 21.4.2011

जिला अवर निबंधक

AND TOGETHER ALSO with full and free access thereto and every part thereof to the Lessee, its servants, agents, customers and others either on foot or with cars, animals, lorries, carts or carriages at all times during the term granted.

AND TOGETHER ALSO WITH full and free liberty for the Lessee to exhibit on the demised premises such advertisements as the Lessee may from time to time wish to display.

AND TOGETHER ALSO WITH full and free liberty for the Lessee to construct a road or roads both on the demised premises erect a compound wall, fencing or railing, lay out a garden and provide such other conveniences as the Lessee may at its discretion wish to provide.

AND TOGETHER ALSO WITH full and free liberty to the Lessee at all times to re-erect or reorganize all or any of the facilities aforementioned.

**TO HOLD** the said land for the term of 30 **(Thirty) years commencing from 1st day of April Two Thousand and Eleven** YIELDING AND PAYING therefor throughout the said term the following monthly rent on or before the 15th day of each and every month for the month immediately preceding, clear of all deductions.

| PERIOD | | | RENT PER MONTH Rs. |
|---|---|---|---|
| From 01.04.2011 | to | 31.03.2016 | 20,000.00 |
| From 01.04.2016 | to | 31.03.2021 | 23,000.00 |
| From 01.04.2021 | to | 31.03.2026 | 26,450.00 |
| From 01.04.2026 | to | 31.03.2031 | 30,417.50 |
| From 01.04.2031 | to | 31.03.2036 | 34,980.13 |
| From 01.04.2036 | to | 31.03.2041 | 40,227.14 |

I. **AND THE LESSEE DOTH HEREBY COVENANTS WITH THE LESSOR AS FOLLOWS :**

1. TO pay unto the Lessors the rent hereby reserved on the day and in the manner aforesaid, unless otherwise agreed upon in writing such payment will be made by Account Payee cheque drawn in favour of the Lessor / by National Electronic Fund Transfer mode.

TO pay and discharge at all times during the said term the municipal taxes in respect of the said structures erected thereon.

3. TO use the said land for all lawful purposes including storage and sale of Petroleum Products, Motor Accessories, Bazar, Dhaba, 'C' store, Merchandised stores, "In and Out" Store", Auto LPG, CNG , Book Store, Internet Kiosk, ATM Kiosk. Tyre Repairing Shop, Advertising, Hoarding, Laundry Shop, Barber Shop or for its allied business etc. either by itself or by duly appointed agents and dealers and for all such purposes the Lessee shall have full liberty to make at its cost excavations therein for tanks and construct and erect thereon any buildings or structures, pumping plant and accessories as may be requisite for any lawful purpose of the Lessee.

4. TO deliver up vacant possession of the said land to the Lessor upon the expiration or sooner determination of the said term as herein after provided and to remove with all reasonable dispatch there from all buildings structures and plant and all its other property therein and thereon at its own cost and restore the said land in its original condition save and except normal wear and tear.

5. TO exercise due precaution in using the said land against explosion fire or other accident and to comply with all regulations under the Petroleum Act 1934.

**AND THE LESSOR COVENANTS WITH THE LESSEE AS FOLLOWS**

1. THAT the Lessor has full power and absolute right to grant this lease for the period hereinbefore mentioned. The Lessor hereby further covenants that the property leased does not belong to or given or endowed for the purpose of any Public or Religious purpose.

2. THAT the Lessee duly paying the rent hereby reserved and the said municipal rates and taxes performing and observing all the terms covenants conditions and stipulations herein contained and on its part to be performed and observed shall peaceably possess, hold and enjoy the said land during the said term without any interruption, eviction, hindrance or claim by or of the Lessor or any

21.04.2011

21.04.2011

21.4.2011

person rightfully claiming through or under her/him/them or any Government Railway or Local Authorities.

THAT the Lessee will be at liberty to remove all tanks, plant, buildings or structures, pumps, erections, fixture installation, pipes and pipelines boundary wall, fencing installed, erected or constructed and brought in by it notwithstanding that they comprise fixtures embedded in or attached to the earth and the Lessor shall have no claim thereto in any manner whatsoever. The entirety of such tanks, buildings or structures, plant pipelines, boundary wall as aforesaid will remain the property of the Lessee.

THAT the Lessor shall at all times keep the Lessee indemnified from all losses, suits, damages, costs, charges, expenses, claims and demands whatsoever to which the Lessee may become subject to or suable on account of any claim put forward by any party in respect of the demised premises excepting as regards the provisions laid down under the Land Acquisition Act or any other Act for the time being in force or as regards the illegal use by the Lessee of the demised premises, the Lessor agreeing to defend and maintain any suits that may be filed for ejecting the Lessee on ground of any defect in the title of the Lessor and in case the Lessee is compelled to vacate the demised premises to make good to the Lessee any loss or losses occasioned thereby and without prejudice to the foregoing in particular will hold the Lessee harmless and indemnified against all losses costs charges and expenses occasioned to the Lessee by any claim made by any person against the Lessor and involving the Lessee in legal costs or involving the discontinuance of the user of the demised premises, such loss to include the cost of dismantling, removal, transport, re-erection of the buildings and the contents thereof elsewhere and increase in rent if any required to be paid for the alternative site.

THE Lessor shall not at any time do or permit or suffer to be done upon any land adjoining the demised premises now or hereafter belonging to in the occupation or under the control of the Lessor any act or things, nor to bring or permit or suffer to be brought upon such land anything which may preclude the Lessee from obtaining a licence or a renewal of a licence under the rules prescribed by the Petroleum Act or any other Act for the time being

Sanjeev Sharma 21.04.2011
Satish Kumar 21.04.2011
Prakash Marble Pvt. Ltd. 21.4.2011

in force enabling the Lessee to use the demised premises for the purpose of selling or otherwise dealing in or of receiving, storing, treating or handling for distribution of petroleum or any of its products.

THAT the Lessee shall have full liberty to sublet or licence the demised premises for any lawful purpose without restriction and without any further reference to the Lessor and there clause shall at all times be deemed to be written consent of the Lessor for the purpose.

7. THAT if the Lessee shall be desirous of renewing the lease on the expiration of this initial term of 30 (Thirty) years and shall have given notice to the Lessor in writing prior to the expiration of the term hereby granted and shall have paid the rent and taxes and duly observed and performed all the terms, covenants, conditions and stipulations herein contained then, the Lessor shall grant to them a renewed lease of the demised land for a further period of 10 (Ten) years commencing from the date of expiry hereof upon the same terms and conditions in all respects as are reserved and contained herein but at the mutually agreed rental.

8. THAT the Lessor shall regularly pay rent to the Superior Landlord which may be payable for the said land and also pay and discharge all existing and future rates, taxes, charges, assessments, including Non-Agricultural Assessment and outgoings whatsoever imposed or charged upon the demised premises or owner thereof and payable to government or any local or public body or authority (save and except Municipality) for the land and keep the Lessee indemnified in respect thereof.

III. **PROVIDED ALWAYS AND IT IS HEREBY AGREED AND DECLARED AND THESE PRESENTS ARE UPON THE CONDITIONS:**

1. THAT if the rent hereby reserved or any part thereof shall be in arrears for a period of consecutive six calendar months and the Lessee fails to pay the same within a fortnight from the date of service of notice by the Lessor demanding payment or in case of any breach of any of the covenants or conditions herein contained

and on the part of the Lessee to be observed and performed or if the Lessee is wound up except for the purpose of amalgamation or reconstruction then and in each of such cases it shall be lawful for the Lessor or any person or persons duly authorized by him in that behalf at any time thereafter to re-enter possess and enjoy the demised land or any part thereof and immediately thereupon the demise shall at the Lessor' option absolutely determine and the Lessor shall henceforth peaceably hold and enjoy the same as if these presents had not been made but without prejudice to any right of action or remedy of the Lessor in respect of any antecedent breach ~~of the covenants by the Lessee herein contained~~.

THAT if the Lessee shall desire to determine the present demise at any time during the period of the demise and shall have given to the Lessor notice in writing of its such desire and shall upto the time of such determination pay the rent and perform and observe the covenants on its part herein before contained then immediately on the expiration of such notice, the present demise and everything herein contained shall cease and determine but without prejudice to the remedies of either party against the other in respect of any antecedent claim or breach of covenant. Any notice to be given hereunder shall be deemed to have been duly given if sent by ~~registered post to the last known address~~ of the party concerned to receive the same.

THAT in the event of the said land or any part thereof being acquired or requisitioned by the Government or any local authority or public body under any law for the time being in force the term hereby granted shall absolutely cease and determine with effect from the date of such acquisition or requisition unless the Lessee exercise its option to continue the lease for the remaining unacquired land in which case the rent shall be reduced proportionately. The Lessor shall be entitled to the whole of the compensation and statutory allowances payable in respect of the said land or part thereof as the case may be and the Lessee will be entitled to such compensation as may be awarded for buildings or structures fixtures fittings constructed fastened or erected by the Lessee and which the Lessee will be entitled to removed as provided herein and also for loss of business.

21.04.2011

21.04.2011

4. THAT, the Lessee shall have the first option of purchasing the demised land if and when the Lessor decides to sell the same, provided the Lessor make out a marketable title free from encumbrances and doubts. In case if the Lessee is not interested to purchase the schedule land they may communicate the same in writing to the Lessor herein and the Lessor may have the right to alienate the property to any purchaser however without prejudicing the tenancy right of the Lessee herein.

Sanjay Kumar 21.04.2011
Satish Kumar 21.04.2011

5. THAT the stamp duly and registration charges on these presents and the duplicate hereof shall be borne by the Lessee but each party shall bear her own solicitor cost if any.

6. **ANY NOTICE** to be given hereunder shall be deemed to have been duly given if sent by registered post to the last known address of the party concerned to receive the same.

**SCHEDULE ABOVE REFERRED TO**

**ALL THAT** piece or parcel of land admeasuring an area of 1143 Sq. Mtr. (30 Mtr. x 38.1 Mtr.) bearing Khesra No.2252 & 2253, under Khata No. 1604 & 1593, Situated in Mauza - Digha, Thana No.01, P.S. Digha, District- Patna, District-Patna, State-Bihar butted and bounded

| | | |
|---|---|---|
| ON THE EAST | : | Carmel Tapovan |
| ON THE SOUTH | : | Self and |
| ON THE WEST | : | Digha - Ashiayan Road |
| ON THE NORTH | : | Passage of carmel tapovan |

And delineated on the map or plan annexed hereto within red borders.

Prashant Modi 21.4.2011

IN WITHNESS WHEREOF the parties have duly executed these presents the day and year first above written

SIGNED & DELIVERED by the following named Lessors :

(1) Sanjay Kumar
Sanjay Kumar
21.04.2011

(2) Satish Kumar
Satish Kumar
21.04.2011

in the presence of:

1. पुत्र श्री [illegible]
[illegible] पाल, थाना- [illegible]
जिला- पटना 21/4/2011

2. मनोज कुमार पिता श्री ओम प्रकाश मुरारी
साकिन कौंस कौड़ी पो॰ दीवा घाट थाना दीघा जिला पटना 800011
21/4/2011

SIGNED & DELIVERED by the above named Lessee
BHARAT PETROLEUM CORPORATION LIMITED
By its Constituted Attorney

Sri. Prashant Mohan Jha
Prashant Mohan Jha
21/4/2011

in the presence of:

1. Uttam Mintz
BPCL, Patna, ~~Sipara, Patna~~ 800002
21/4/2011

2. P C JOSHI
BPCL, Patna, Exhibition Road, Patna - 800001
21/4/2011

[illegible]
21/4/11
Lic. No. 361/RD

## Endorsement of Certificate of Admissibility

Admissible under Rule 5 : duly stamped ( or exempted from or does not require stamp duty) under the Indian Stamp Act, 1899, Schedule I-A, No. 35. Also admissible under section 26(a) of the B. T. Act.

Stamp duty paid under Indian Stamp Act Rs. 63160 Amt. paid by N.J. Stamp Paper - Rs. 5000
Addl. Stamp duty paid under Municipal Act Rs. Amt. paid through Bank Challan - Rs. 100854

FEE PAID

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | A1 | 42040 | C | 0 | H1b | 0 | Ka1 | 0 | Li | 0 | LLR + Process Fee |
| | A8 | 0 | D | 0 | H2 | 0 | K1b | 0 | Lii | 0 | LLR 0 |
| | A9 | 0 | DD | 0 | I | 0 | K1c | 0 | Mb | 0 | Proc. Fee 0 |
| | A10 | 0 | E | 250 | J1 | 0 | K2 | 0 | Na | 54 | Total- 0 |
| | B | 0 | H1a | 0 | J2 | 0 | Li | 0 | | | |
| | | | | | | | | TOTAL- | | 42344 | |
| | | | | | | | | | | 42694 | |

Service Charge 350

Registering Officer
Patna

Total amont paid (Reg. fee+LLR, Proc+Service Charge) in Rs.

Date : 28/04/2011

## Endorsement under section 52

Presented for registration at Registration Office, Patna on Thursday, 28th April 2011 by Sanjay Kumar S/O-Late Jaswant Narayan Sah by profession Others, Status - Self

Sanjay Kumar 28.04.2011

Signature / L.T.I. of Presentant Date : 28/04/2011

Registering Officer
Patna

Endorsement under section 58

Execution is admitted by those executants and identified by the person ( identified by Keshab age Sex M son/daughter of S/O-Suresh Kumar Ajay resident of Hajipur Nagarpalika Khagariya,Khagariya. ) whose names, photographs, fingerprints and signatures are affixed as such on back page / pages of the instrument.

Registering Officer
Patna

Date : 28/04/2011

Endorsement of Certificate of Registration under section 60

Registered at Registration Office Patna in Book No. 1 Volume No. 238 on page no. 83 - 96 for the year 2011 and stored in CD Volume No.CD-37 year 2011. The document no. is printed on the front Page of the document.

Registering Officer
Patna

Date : 28/04/2011

Token No.15836 Year - 2011 Sl.No. 15932 SCORE Ver. 2.1 Deed No. 13680 NIC-Bihar

6/11/12

6/11/12

एक सौ रुपये

रु. 100

Rs. 100

ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

बिहार BIHAR

E 384866

34413 53 [illegible]

[illegible]

100/12/18

[illegible]







डॉ

1) नाम लेख्यकारीगण:-

1. श्री संजय कुमार वल्द स्व० जसवन्त नारायण साह, साकिन- दीघा घाट, पोस्ट- दीघा घाट, थाना- दीघा, जिला- पटना, भारतीय नागरिक । ..... प्रथम पक्ष ।

2. श्री सतीश कुमार वल्द स्व० जसवन्त नारायण साह, साकिन- दीघा घाट पोस्ट- दीघा घाट, थाना- दीघा, जिला- पटना, भारतीय नागरिक । ..... द्वितीय पक्ष ।

3. श्री सौरभ कुमार वल्द स्व० जसवन्त नारायण साह, साकिन- दीघा घाट, पोस्ट- दीघा घाट, थाना- दीघा, जिला- पटना, भारतीय नागरिक । ..... तृतीय पक्ष ।

सुनीता देवी
18/04/2018

2) नाम लेख्यधारी:-

आपस में एक पक्ष दिगर पक्ष के ।

3) लेख्य प्रकार:-

मेमोरेन्डम ऑफ पार्टीशन (फैमली अरेंजमेंट एण्ड एटजस्टमेन्ट) बँटवारा।

4) मूल्य:'-

X X X X X X

5) सम्पत्ति का विवरण:-

सिडियूल नं0 - 1

सोलह आना सम्पत्ति जो बँटवारा का विषय है ।

क्षेत्रफल 1 बिगहा 14 धुर (एक बिगहा, चौदह धुर) एराजी कास्त रैयती नगदी कायमी परती आवासीय वजमा सलाना मो० ....., माल अलावे शेष, वाके मौजा- दीघा, रेवन्यू थाना- फुलवारी, हाल थाना- दीघा, थाना नं. - 1 (एक), तौजी नं. - 5336 (पाँच हजार तीन सौ छत्तीस पुराना) वर्तमान तौजी नं. - 13990 (तेरह हजार नौ सौ नब्बे), खाता नं०- 1604 वो 1593 (एक हजार छः सौ चार, वो एक हजार पाँच सौ तिरानवे), खेसरा नं. 2252, 2253, 2254 वो 2255 (दो हजार दो सौ बावन, दो हजार दो सौ तिरपन, दो हजार दो सौ चौवन वो दो हजार दो सौ पचपन) का अंश, जिसका सब वो सदर रजिस्ट्री वो जिला पटना। वजमीन्दारी बिहार सरकार द्वारा अंचलाधिकारी सदर पटना, जिसका चौहद्दी निम्नलिखित है ।

चौहद्दी

उत्तर :- कार्मेल तपोवन का रास्ता

दक्षिण :- श्याम नारायण साह पट्टीदार चाचा लेख्यकारीगण

पूरब :- कार्मेल तपोवन

पश्चिम :- रास्ता

सिडियूल नं0 - 2

सम्पत्ति का विवरण वह सम्पत्ति जो मेमोरेन्डम ऑफ पार्टीशन से श्री संजय कुमार लेख्यकारी प्रथम पक्ष को अपने पट्टीदारान से बँटकर अलग मिला वो करार पाया ।

संजय कुमार सही - संजीव कुमार सही - संजय कुमार

18.04.2010

क्षेत्रफल 6 कट्ठा 18 धुर (छः कट्ठा अठारह धुर) मिनजुमले मवाज़ी 1 बिगहा 14 धुर में से, एराजी कास्त रैयती नगदी कायमी परती आवासीय वजमा सलाना मो० ....., माल अलावे शेष, वाके मौजा- दीघा, रेवन्यू थाना- फुलवारी, हाल थाना- दीघा, थाना नं० - 1 (एक), तौजी नं० - 5336 (पाँच हजार तीन छत्तीस पुराना) वर्तमान तौजी नं० 13990 (तेरह हजार नौ सौ नब्बे), खाता नं० - 1604 वो 1593 (एक हजार छः सौ चार वो एक हजार पाँच सौ तिरानवे), खेसरा नं० - 2252 वो 2253 (दो हजार दो सौ बावन वो दो हजार दो सौ तिरपन) का अंश, जिसका सब वो सदर रजिस्ट्री वो जिला पटना । वजमीन्दारी बिहार सरकार द्वारा अंचलाधिकारी सदर पटना, जिसका चौहद्दी निम्नलिखित है ।

चौहद्दी

उत्तर :- कार्मेल तपोवन का रास्ता
दक्षिण :- सतीश कुमार प्लॉट नम्बर हाजा पट्टीदार
पूरब :- कार्मेल तपोवन
पश्चिम :- रास्ता

सिडियुल नं० - 3

सम्पत्ति का विवरण वह सम्पत्ति जो मेमोरेन्डम ऑफ पार्टीशन से श्री सतीश कुमार लेख्यकारी द्वितीय पक्ष को अपने पट्टीदारान से बँटकर अलग मिल वो करार पाया ।

क्षेत्रफल 6 कट्ठा 18 धुर (छः अठारह धुर) मिनजुमले मवाजी 1 बिगहा 14 धुर में से, एराजी कास्त रैयती नगदी कायमी परती आवासीय वजमा सलाना मो० ....., माल अलावे शेष, वाके मौजा- दीघा, रेवन्यू थाना- फुलवारी, हाल थाना- दीघा, थाना नं० - 1 (एक), तौजी नं० - 5336 (पाँच हजार तीन सौ उत्तीस पुराना) वर्तमान तौजी नं - 13990 (तेरह हजार नौ सौ नब्बे), खाता नं० - 1604 वो 1593 (एक हजार छः सौ चार वो एक हजार पाँच सौ तिरानवे), खेसरा नं०- 2253 वो 2254 (दो हजार दो सौ तिरपन वो दो हजार दो सौ चौवन) का अंश, जिसका सब

वो सदर रजिस्ट्री वो जिला पटना। वजमीन्दारी बिहार सरकार द्वारा अंचलाधिकारी सदर पटना, जिसका चौहद्दी निम्नलिखित है ।

चौहद्दी

उत्तर :- संजय कुमार प्लॉट नम्बर हाजा पट्टीदार
दक्षिण :- सौरभ कुमार प्लॉट नम्बर हाजा पट्टीदार
पूरब :- कार्मेल तपोवन
पश्चिम :- रास्ता

सिडियूल नं0 - 4

सम्पत्ति का विवरण वह सम्पति जो मेमेरेन्डम ऑफ पार्टीशन से श्री सौरभ कुमार लेख्यकारी तृतीय पक्ष को अपने पट्टीदारान से बँटकर अलग मिला वो करार पाया ।

क्षेत्रफल 6 कट्ठा 18 धुर (छः कट्ठा अठारह धुर) मिनजुले मवाजी 1 बिगहा 14 धुर में से, एराजी कास्त रैयती नगदी क़ायमी परती आवासीय वजमा सलाना मो० ....., माल अलावे शेष, वाके मौजा- दीघा, रेवन्यू थाना- फुलवारी, हाल थाना- दीघा, थाना नं० - 1 (एक), तौजी नं० - 5336 (पाँच हजार तीन सौ छत्तीस पुराना) वर्तमान तौजी नं० - 13990 (तेरह हजार नौ सौ नब्बे), खाता नं० 1593 (एक हजार पाँच सौ तिरानवे) ~~वो एक हजार पाँच सौ छियालिस~~), खेसरा नं० 2254 वो 2255 (दो हजार दो सौ चौवन वो दो हजार दो सौ पचपन) का अंश, जिसका सब वो सदर रजिस्ट्री वो जिला पटना । वजमीन्दारी बिहार सरकार द्वारा अंचलाधिकारी सदर पटना, जिसका चौहद्दी निम्नलिखित है ।

चौहद्दी

उत्तर :- सतीश कुमार प्लॉट नम्बर हाजा पट्टीदार
दक्षिण :- श्याम नारायण साह प्लॉट नम्बर हाजा पट्टीदार चाचा
पूरब :- कार्मेल तपोवन
पश्चिम :- रास्ता

दिनांक - 18.04.2010

## लेख्य संदर्भ

यह कि रामवरण साह के दो पुत्र जसवन्त नारायण साह एवं श्याम नारायण साह हुये जो अपने पिता के मृत्यु के पश्चात् पिता द्वारा छोड़े गये कुल चल वो अचल सम्पत्ति साथ उपरोक्त खाना नं० - 5 में वर्णित जायदाद को स्व० रामवरण साह के दोनों पुत्रों में पैतृक सम्पत्ति का, आधा-आधा आपसी खानगी बँटवारा हो चुका है और स्व० जसवन्त नारायण साह का ब्योरा पक्षों के बँटवारा में मिले अचल सम्पत्ति का वर्णन खाना नं० - 5 में है, जो खानदानी सम्पति है । यह कि सभी फरिकेन प्रथम पक्ष संजय कुमार द्वितीय पक्ष सतीश कुमार एवं तृतीय पक्ष सौरभ कुमार, तीनों, स्व० जसवन्त नारायण साह के पुत्र है एवं स्व० रामवरण साह के पौत्र है जो हिन्दु मिताक्षर स्कूल से सम्बंधित है ।

यह कि सभी फरिकेन के पिता- स्व० जसवन्त नारायण साह अपने भाई श्याम नारायण साह से अलग होकर जिसका तौजी नं० पुराना 5336 नया जो वर्तमान 13990 खाता नं० 1604 और 1593 प्लॉट संख्या 2252, 2253, 2254 और 2255 जिसका एराजी अभी वर्तमान 1 बीघा 17 कट्ठा 12 धुर है और इससे फरिकेन के चाचा श्याम नारायण साह 3 कट्ठा 16 धुर खेसरा नं० 2255 खाता नं० ..... में, श्रीमती उषा रानी, धर्मपत्नी रोहित कुमार, निवास रोड नं० 17, राजीव नगर, थाना- दीघा- (हाल थाना- राजीव नगर), जिला- पटना से दिनांक 20.10.06 को बेचा, जिसका निबंधन दास्तवेज संख्या 11995 दिनांक 20.10.2006 है और और यह सम्पत्ति उनके हिस्सा की ही है । इसके पक्षगण या फरिकेन का कोई जमीन जयदाद उसमें नहीं है और इसके लिए श्याम नारायण साह जो पक्षगण के या परिकेन के चाचा है अपने आधा हिस्सा में से बेचे है जिसका कुल एराजी 2 बीघा 1 कट्ठा 8 धुर में आधा 1 बीघा 14 धुर फरिकेन के के पिता स्व० जसवन्त नारायण साह के मिला और इसी से वर्तमान फरिकेन ने आपस में बैठकर यह राय किया कि सोलह आना सिडियुल नं० 1 की जयदाद को आपस में बहिस्से बराबर-बराबर बाँट लिया जाये ताकि इम तीनों भाइयों एवं इनके वरिसानों में

किसी प्रकार का झगड़ा-झंझट वो तकरार न होवे और पक्षगण वो प्रक्षगण के वरिसानो का जीवन आराम से व्यतीत हो सके ।

यह कि इस बँटवारा में फरिकेन के पिता- स्व० जसवन्त नारायण साह के पुत्रगण है और सम्पत्ति को अपास में बाँटने का कारण है कि आगे के झगड़ा-झंझट को मद्देनजर रखते हुए वखुशी ख्याहिश । हम फरिकेन बँटवारा कर लिया तथा सभी फरिकेन अपने-अपने कंडिकाओं में मिले जयदाद को वशुखी कबूल किया वाद बाँटवारा कोई फरिक किसी फरिक के साथ किसी तरह का बँटवारा कोई फरिक किसी फरिक के साथ किसी तरह का कमीवेशी का माँगमुताल्वा करे वो सव नाजायज एवं अमान्य होगा और बँटवारे के पश्चात् श्याम नारायण साह अपने भ्राता जसवन्त नारायण साह से अलग वो जुदा हो गये । जसवन्त नारायण साह पिता लेख्यकारीगण का स्वर्गवास हो चुका है और स्वर्गवास के पश्चात् लेख्यकारीगण खाना नं० - 1 वसीका हाजा अपने मौरूसी जायदाद पर भू-स्वामी वो दखलकार हुये और आज तक रहते चले आते है ।

यह कि उपरोक्त पक्षगण ने आपस में बैठकर यह राय किया कि सोलह आना सिडियूल नं० - 1 की जायदाद को आपस में बहिस्से बराबर-बराबर बाँट लिया जाये ताकि हम तीनों भाईयों एवं उनके वारिसानों में किसी प्रकार का झगड़ा-झंझट वो तकरार न होवें और पक्षगण वो पक्षगण के वारिसानों का जीवन आराम से व्यतीत हो सके। इसलिए पक्षगण आपस में बैठकर निम्न प्रकार से जायदाद का बँटवारा कर लिया।

यह कि सोलह आना सिडियूल नं० -1 में से वँटवारा होकर सिडयूल नं० - 2 की सम्पत्ति लेख्यकारी संजय कुमार प्रथम पक्ष को मिला जिसपर उनका वँटवारे की तिथि से सम्पूर्ण हक हकियत वो दखल-कब्जा हो गया इस सम्पत्ति पर भ्रातागण द्वितीय प्रक्ष सतीश कुमार वो तृतीय पक्ष सौरभ कुमार वो इनके वारिसानों को किसी प्रकार का हक वो हकियत या दखल - कब्जा बाकी नहीं रहा और न भविष्य में होगा ।

यह कि सोलह आना सिडियूल नं० -1 में से बँटवारा होकर सिडियूल नं० - 3 की सम्पत्ति लेख्यकारी सतीश कुमार द्वितीय पक्ष को मिला जिस पर उनका बँटवारे की तिथि से सम्पूर्ण हक हकियत वो दखल-कब्जा हो गया इस सम्पत्ति पर भ्रातागण प्रथम पक्ष संजय कुमार वो तृतीय पक्ष सौरभ कुमार वो इनके वारिसानों को किसी प्रकार का हक वो हकियत या दखल-कब्जा बाकी नहीं रहा और न भविष्य मे होगा ।

यह कि सोलह आना सिडियूल नं०- 1 में से बँटवारा होकर सिडियूल नं० - 4 की सम्पत्ति लेख्यकारी सौरभ कुमार तृतीय पक्ष को मिला जिसपर उनका बँटवारे की तिथि से सम्पूर्ण हक हकियत वो दखल-कब्जा हो गया इस सम्पत्ति पर भ्रातागण प्रथम पक्ष संजय कुमार वो द्वितीय पक्ष सतीश कुमार वो इनके वारिसानों को किसी प्रकार का हक वो हकियत या दखल - कब्जा बाकी नहीं रहा और न भविष्य में होगा ।

यह कि पक्षगण को चाहिए कि बँटवारे की तिथि से मिले जायदाद पर भू-स्वामी वो दखलकर बनकर वो रहकर वो होकर तथा स्थापित होकर अपने-अपने स्वेच्छानुसार अपने-अपने उपयोग वो उपभोग में लावेगें । लेख्यकारीगण को यह भी चाहिए वजमीन्दारी बिहार सरकार के राजस्व अभिलेख में या अन्य दिगर जहाँ-जहाँ जरूरत वो मुनासिव समझे अपने-अपने नामों से अपने सिडियूल में मिले जायदाद को दाखिल खारिज करा लेवेंगें और राजस्व शुल्क बराबर बिहार सरकार को अदाकर उसकी पावती रसीद पक्षगण स्वयं प्राप्त करते रहेगें । इसमें किसी भी पक्ष वो पक्षों को वारिसानों को हक हकियत वो दखल-कब्जा बाकी नहीं रहा वो न होगा ।

यह कि लेख्यकारीगण खाना नं० - 1 वसीका हाजा अपने-अपने स्वेच्छा से तन-मन के सम्पूर्ण इन्द्रियों के स्वस्थावस्था वो समग्र इन्द्रियों के चेतना में अपना-अपना लाभ-हानि वर्तमान वो भविष्य को भली-भाँति समझ-बुझकर वो सोच विचारकर बिना बहकाने वो फुसलाने वो धमकाने तथा अनुचित दबाव देने किसी दूसरे के अपने-अपने शुभचिन्तकों वो हितैषियों तथा तकनिकी सलाहकारों से राय सलाह लेकर यह बँटवारा को निष्पादित करते है ।

इस बँटवारा पत्र की तीन प्रति हु-व-हू एक समान तैयार की गई है जिसे तीनों पक्ष पढ़-पढ़कर समझ बुझ लिये है और पढ़ने के पश्चात् बँटवारा पत्र को निष्पादित करते है ।

अत: यह वसीका मेमोरन्डम ऑफ पार्टीशन (फैमली अरेजमेन्ट एण्ड एडजस्टमेन्ट) बँटवारा एक पक्ष दिगर पक्ष के पक्ष में लिख दिया कि प्रमाण रहे और वक्त पर काम आवें ।

समाप्त

तहरीर तारीख :- 18.04.2010

गवाहों का हस्ताक्षर

① विश्वनाथ प्रसाद
पी॰ आर॰ रोड,
दीघाघाट, पटना-14

② प्रकाश साह
बाँस कोठी दीघा, पटना

③ [illegible]
दीघा-घाट-चौहट्टा

सुनीता देवी
18/04/2010
सरपंच
ग्राम कचहरी, [illegible] दीघा
पटना सदर, पटना

पक्षगण का हस्ताक्षर

प्रथम पक्ष - संजय कुमार

द्वितीय पक्ष - सतीश कुमार

तृतीय पक्ष - सौरभ कुमार

दिनांक - 18.04.2010